मातृभाषा दिवस कार्यक्रम समारोह सम्पन्न

संत लौंगोवाल अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, लौंगोवाल में दिनांक 21.02.2023 को मातृभाषा दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन संस्थान के निदेशक प्रो. शैलेन्द्र जैन ने अपने सहयोगी अधिकारियों अधिष्ठाता (छात्र कल्याण) प्रो. राजेश कुमार, अधिष्ठाता (संकाय एवं कर्मचारी कल्याण) प्रो. अजात शत्रु अरोड़ा, प्रो. एम.एम. सिन्हा, प्रो. एस.एस. वर्मा, प्रो. आर.के गुहा, उप-कुलसचिव (प्रशासन) श्री मोहनकृष्णन सी. डा. मो॰ माजिद, डा. आर.के.यादव, श्री जगदीश चन्द, श्री सरबजीत सिंह द्वारा अंधकार को दूर करने के लिए स्वयं को जलाने की तत्परता व प्रतिबद्धता से लैस उपकरणीय प्रतीक दीप प्रज्वलित कर किया गया। डा. राज कुमार यादव ने समारोह में उपस्थित छात्र-छात्राओं, कर्मचारियों, संकाय सदस्यों एवं अधिकारियों का स्वागत किया एवं मातृभाषा दिवस के उपलक्ष में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देते हुये बताया कि राजभाषा हिन्दी भारत की अस्मिता हेतु मातृभाषा की विविधतापूर्ण स्थिति को समन्वित कर एक सूत्र में पिरोने का कार्य करती है और राष्ट्रीय एकता-व-अखण्डता हेतु प्रतिबद्धता दर्शाती है। संस्थान की राजभाषा (हिन्दी) विकास समिति के तत्त्वाधान में आयोजित इस मातृभाषायी संगम में छात्र-छात्राओं, कर्मचारियों, संकाय सदस्यों एवं अधिकारियों ने अपनी मातृभाषाओं में विभिन्न विधाओं का मंचन कर दर्शकों का ध्यान आकृष्ट किया। हिन्दी, मैथिली एवं भोजपुरी की अभिव्यक्ति के साथ ही डा. बर्षा माली, श्री सरबजीत सिंह, डा. मो॰ माजिद, प्रो. आर.के गुहा, अभिजीत, कलीराज के. तथा मोहम्मद शा ने क्रमश: अपनी मातृभाषा असमिया, पंजाबी, उर्दू, बंगाली, तेलगू, तमिल, मलयालम में प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मातृभाषा का सम्मान करने के लिए प्रोत्साहित किया।

विदित हो कि हर वर्ष 21 फरवरी को अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया जाता है। मातृभाषा दिवस के उपलक्ष में छात्र-छात्राओं में अपनी मातृभाषा के प्रति सम्मान व लगाव बनाये रखने हेतु पत्र-लेखन, चित्रांकन, काव्यपाठ, वाद्य संगीत, तत्क्षण वाचन तथा निबंध लेखन की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं ने काफी संख्या में बढ़-चढ़कर भाग लिया। विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

संस्थान के निदेशक प्रो. शैलेन्द्र जैन ने समारोह की अध्यक्षता की तथा अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में छात्रों का आहवान करते हुए कहा, "भाषा किसी भी संस्कृति की विरासत ही नहीं होती है बल्कि अस्मिता की शान व पहचान के साथ ही संस्कृति का संवाहक होती है और मातृभाषा तो माता की विरासत है जिसमें रचनात्मकता के बीज होते हैं। ये बीज ही उचित वातावरण में अंकुरित होकर समाजिक, राष्ट्रीय व सम्पूर्ण मानवता की सेवा में अपनी पहचान व्यक्ति के माध्यम से देते हैं। अत: इस रचनात्मकता को बनाये रखने की जरूरत है। अन्य भाषाएँ सीखी जा सकती है जिससे विश्व के अन्य भागों से संवाद स्थापित कर व्यवसाय किया जाता है किन्तु उसकी भी आधारशिला अपनी रचनात्मकता ही होती है। रचनात्मकता की इस अपरिहार्य स्थिति का लाभ उठाने की आवश्यकता है अन्यथा विकास की प्रतिस्पर्धा में प्रतिभा के बावजूद पिछड़ने की अवश्यम्भावी स्थिति सामने खड़ी हो जाएगी।"

अधिष्ठाता (छात्र कल्याण) प्रो. राजेश कुमार के मार्गदर्शन में मातृभाषा दिवस आयोजन हेतु गठित समिति के सदस्यों डा. अजय पाल सिंह, डा. आर.के.गुहा, डा. मोहम्मद माजिद, डा. बर्षा माली, श्री मोहन कृष्ण सी., श्री मनोज पाण्डेय, श्री मनदीप सिंह, श्री सरबजीत सिंह एवं श्री जगदीश चन्द तथा छात्र समिति के सदस्यों ज्योतिरादित्य, ऋषभ रंजन, किशन आदि के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

धन्यवाद ज्ञापन राजभाषा (हिन्दी) विकास समिति के अध्यक्ष राज कुमार यादव ने किया।